वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 230 | गुरुवार 15 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

## वेणुगोपाल बोले- धारीवाल, जोशी और राठौड़ को क्लीन चिट नहीं

### कहा-कांग्रेस अनुशासन कमेटी में जांच पेंडिंग, अभी हम कर रहे विचार

**जयपुर. कासं**

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि मंत्री शांति धारीवाल, महेश जोशी और RTDC चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ को अभी तक कोई क्लीन चिट नहीं दी गई है। कांग्रेस अनुशासन कमेटी के पास जांच पेंडिंग है। अभी उस पर फैसला नहीं हुआ है। हम अभी उस पर विचार कर रहे हैं। बुधवार दोपहर करीब ढाई बजे जयपुर पहुंचे केसी वेणुगोपाल ने जयपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बात की। उन्होंने कहा- मैं भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने आया हूं। राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा का बहुत अच्छा रेस्पॉन्स है। कांग्रेस प्रवक्ता संदीप चौधरी के साथ वेणुगोपाल सवाई माधोपुर के लिए रवाना हो गए। खुद पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने इन तीनों नेताओं पर कार्रवाई की मांग कांग्रेस आलाकमान के सामने खुलकर उठा चुके हैं। विधायक दिव्या मदेरणा, इंद्राज गुर्जर, वेदप्रकाश सोलंकी भी गहलोत खेमे के

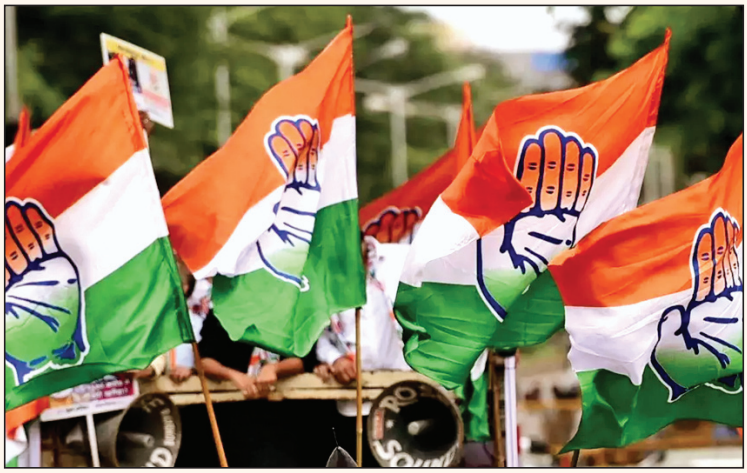

बगावती नेताओं पर कार्रवाई की मांग कर चुके हैं। पिछले दिनों पूर्व रक्षा मंत्री एके एंटनी की अध्यक्षता में कांग्रेस अनुशासन कमेटी की फुल बेंच की बैठक हुई थी। इसमें सचिव तारीक अनवर, मेंबर अंबिका सोनी और जीआर राजू भी थे। सूत्रों के मुताबिक, बगावत के बाद आलाकमान के भेजे गए नोटिस पर तीनों ने बिना शर्त माफी मांगी थी। बैठक में तीनों के जवाब पेश किए गए। बैठक में कार्रवाई को लेकर चर्चा हुई, लेकिन जांच पर मामला अब तक पेंडिंग ही है। सूत्रों के मुताबिक, कमेटी ने तीनों नेताओं के माफीनामे तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भेजकर पूछा- मामले में क्या कार्रवाई की जाए। सोनिया के दफ्तर से जवाब नहीं आया। इसलिए ऐसी चर्चाएं शुरू हो गईं कि तीनों नेताओं पर आलाकमान कार्रवाई के मूड में नहीं है। यही वजह रही कि धारीवाल और राठौड़ राहुल की यात्रा में न सिर्फ नजर आए बल्कि उनके साथ पैदल भी चले। मुख्य भूमिका में भी दिखाई दिए।

## कचरा उठा या नहीं ऐप पर कर सकेंगे शिकायत

### मेयर ने लांच किया स्वच्छता ऐप; जनवरी के आखिरी से यूजर चार्ज वसूलने की तैयारी

**जयपुर. कासं।** जयपुर नगर निगम ग्रेटर एरिया के लोगों को अब डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की शिकायत के लिए किसी पार्षद या कॉल सेंटर पर फोन करके करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस तरह की परेशानी होने पर लोग अब नगर निगम की ओर से जारी किए एप पर अपनी शिकायत दर्ज करवा सकेंगे। इसके लिए मालवीय नगर और मुरलीपुरा जोन एरिया के लोगों के लिए मोबाइल एप लांच किया है। इस एप में आप अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते है और शिकायत का निस्तारण हुआ या नहीं इसका स्टेट्स भी देख सकते हैं। इस नए सिस्टम के शुरू होने के साथ ही संभावना जताई जा रही है कि जनवरी अंत या फरवरी से यहां के लोगों से यूजर चार्ज भी वसूल करना शुरू किया जा सकता है। मेयर सौम्या गुर्जर, कमिश्नर महेन्द्र सोनी ने आज इस एप की लांचिंग की है। इस मौके पर मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ भी मौजूद थे।

## बाहुबली की एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया आई जयपुर

### आमेर में हाथियों संग क्लिक करवाई फोटोज, सलमान खान भी आएंगे

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

फिल्म बाहुबली में साउथ के सुपरस्टार प्रभास के साथ नजर आने वाले एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया जयपुर में शूटिंग कर रही है। वे एक साउथ की फिल्म शूट कर रही हैं। आमेर महल में फिल्म के कई सीन फिल्माए गए। यह एक ऐतिहासिक कहानी पर आधारित फिल्म बताई जा रही है। ऐसे में हाथी, घोड़े और राजसी अंदाज के साथ फिल्म की शूटिंग चल रही है। शूटिंग में ब्रेक के दौरान तमन्ना भाटिया हाथियों के पास फोटो क्लिक करवाती नजर आई। वे अपनी टीम के साथ इन फोटोज को कैद करती दिखी। फिल्म से जुड़े सूत्रों की माने तो तमन्ना ने जयपुर के कई लजीज व्यंजनों का भी लुत्फ उठाया। इस दौरान उन्होंने आमेर महल को नजदीक से भी देखा। वहीं, बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान इसी सप्ताह जयपुर आएंगे। वे आदित्य

बिरला ग्रुप के एक इंटरनेशनल इवेंट में शिरकत करेंगे। सलमान के अलावा बॉलीवुड की कई जानी-मानी हस्तियां यहां मौजूद रहेगी। सलमान अक्सर शादियों और शूटिंग के लिए जयपुर और राजस्थान आते-जाते रहते है। इस बार वे आदित्य बिरला ग्रुप के इवेंट में बतौर सेलेब्रिटी शिरकत करेंगे। जानकारी के मुताबिक अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की पत्नी हिलेरी क्लिंटन भी आदित्य बिरला ग्रुप के इवेंट में मौजूद रहेंगी। वह मंगलवार को ही जयपुर आ गई हैं। यहां उन्होंने जंतर-मंतर का विजिट किया। हिलेरी ने यहां यंत्रों की कार्यप्रणाली के साथ इतिहास से संबंधित पंचांग और राशिफल के बारे में जानकारी प्राप्त की। जंतर-मंतर अधीक्षक गोपाल शर्मा ने बताया कि हिलेरी क्लिंटन इससे पहले यहां वर्ष 2018 में भी आई थी।

# हैंडलूम प्रदर्शनी का हुआ उद्घाटन

## हैंडलूम उत्पादों और परिधानों को अपनाने से होगा पारंपरिक कलाओं का संरक्षण और संवर्धन: उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री शकुन्तला रावत ने आमजन से हैंडलूम उत्पादों और परिधानों को अपनाने का आवान्ह किया है। उन्होंने कहा कि अपनों (स्थानीय कारीगरों) द्वारा अपनों (प्रदेशवासियों) के लिए बनाए उत्पादों के इस्तेमाल से पारंपरिक हस्तकलाओं को बचाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हस्तशिल्प के उत्थान के लिए हाल में हैंडीक्राफ्ट पॉलिसी लागू की गई है, जिसका लाभ आर्टिजंस को मिलने लगेगा। रावत ने बुधवार को राजस्थान स्टेट हैण्डलूम डवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के हथकरघा भवन, चौमू हाउस, सी-स्कीम स्थित परिसर में पांच दिवसीय हैंडलूम प्रदर्शनी के उद्घाटन के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि दस्तकारों द्वारा शुद्ध प्राकृतिक रंगों और धागों के जरिए वस्त्र बनाए जा रहे हैं, जो कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी फायदेमंद हैं। राजसिको अध्यक्ष राजीव अरोड़ा ने कहा कि राजस्थानी परिधान प्रदेशवासियों की पहचान है। जोधपुर में होने वाले इंटरनेशनल एक्सपो में हैंडलूम और टेक्सटाइल के उत्पादों का पवेलियन बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हैंडलूम के ज्यादा से ज्यादा उत्पादों की भी जीआई टैगिंग करवाई जा रही है, ताकि कला का संर्वधन और संरक्षण किया जा सके। उन्होंने बताया कि एक जिला–एक उत्पाद मिशन से आने वाले दिनों में निर्यात को खास बल मिलेगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव वीनू गुप्ता ने कहा कि राज्य सरकार पारंपरिक कलाओं के उत्थान के लिए हमेशा प्रयासरत रही है। इसी के मद्देनजर सरकार द्वारा हैंडिक्राफ्ट पॉलिसी लाई गई है। इसके तहत हैडिक्राफ्ट और हैंडलूम निदेशालय स्थापित किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य कलाओं से जुड़े आर्टिजंस को प्रोत्साहित और कला का संरक्षण करना है। राजस्थान राज्य हथकरघा विकास निगम की सीएमडी डॉ. मनीषा अरोड़ा ने बताया कि राज्य के हाथकर्घा एवं हस्तशिल्प वस्त्र उद्योग को समुचित विपणन प्रोत्साहन देने के लिए 14 से 18 दिसम्बर तक इस पाँच दिवसीय हैण्डलूम प्रदर्शनी-कम सेल का आयोजन किया जा रहा है। सभी उत्पादों पर 25 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। अरोड़ा ने बताया कि प्रदर्शनी में प्रदेश के नेशनल अवार्डी एवं उत्कृष्ट बुनकरों तथा दस्तकारों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न किस्मों के वस्त्र यथा डिजाइनर कोटा डोरिया, जरी, हैण्ड ब्लॉक प्रिन्टेड एवं सिल्क साड़ियां, ड्रेस मैटेरियल, सांगानेरी, बगरू प्रिन्टेड बेडशीट्स, बाड़मेरी अजरख बेडशीट्स, कलात्मक दोहर, जयपुरी रजाई, दरियां, फैशनेबल कुर्ते, प्लाजो, शर्ट्स आदि-आदि उत्पाद बिक्री एवं प्रदर्शन के लिए रखे जाएंगे। इसके साथ ही राजस्थान लघु उद्योग निगम लि. के आकर्षक हैण्डीक्राफ्ट उत्पाद प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए रखे जा रहे हैं। बुनकर सेवा केन्द्र द्वारा हस्तचलित लूम पर डोरिया साड़ी वीविंग का लाइव प्रदर्शन किया जा रहा है, जोकि आगंतुकों द्वारा खासा पसंद भी किया जा रहा है।

# खोले के हनुमान जी मंदिर ''रोप-वे'' का लाइसेंस जारी

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

जयपुर जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को खोले के हनुमान जी मंदिर ह्यरोप-वेह्व निर्माण के लिये फर्म को रोप-वे अधिनियम के तहत लाईसेन्स जारी किया गया। लाईसेन्स जारी होने से 85 मीटर ऊचाई वाले प्रदेश के पहले स्वचालित रोप-वे के निर्माण कार्यों में तेजी आयेगी तथा जल्द ही अन्नपूर्णा माता मंदिर से खोले के हनुमान मंदिर की पहाड़ी पर स्थित वैष्णों माता मंदिर तक पैसेन्जर रोप-वे की सौगात यात्रियों को मिल सकेंगी। जिला प्रशासन से लाइसेंस जारी होने के बाद रोप-वे बनने का काम त्वरित गति से आगे बढ़ेगा और जल्द ही जयपुर वासियों को रोप-वे की सौगात मिलेगी। उल्लेखनीय है कि जयपुर कलक्टर की पहल पर शहर के खोले के हनुमान जी मंदिर परिसर में प्रदेश का पहला स्वचालित और जयपुर का सबसे बड़ा पेसेंजर रोप-वे का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। रोप-वे का नाम अन्नपूर्णा माता रोप-वे होगा जो कि प्रदेश का पांचवां और जयपुर जिले का सामोद हनुमानजी रोप-वे के बाद दूसरा रोप-वे होगा। अन्नपूर्णा माता मंदिर से खोले के हनुमान मंदिर की पहाड़ी पर स्थित वैष्णोमाता मंदिर तक 436 मीटर लंबा रोप-वे बनाया जा रहा है। जोकि जयपुर का सबसे बड़ा रोप वे होगा। रोप-वे निर्माण के लिए फर्म और जयपुर जिला प्रशासन के बीच करार हुआ है जिसके बाद फर्म को रोप-वे अधिनियम के तहत लाइसेंस जारी किया जाएगा।

### एक घंटे में सफर कर सकेंगे 800 यात्री

पांच टावरों पर संचालित किये जाने वाले रोपवे की उंचाई 85 मीटर होगी। 24 ट्रॉली वाले इस रोप वे की क्षमता 800 यात्री प्रति घंटा होगी। कलेक्टर ने निमार्ता फर्म को 2 साल में रोप-वे निर्माण के निर्देश दिये हैं। कलक्टर ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है इसलिए रोप वे निर्माण में गुणवत्ता का खास ध्यान दिया जाए। निर्माण के दौरान और संचालन के शुरू होने

के बाद भी जिला प्रशासन द्वारा रोप वे के सुरक्षा मापदंडों की नियमित रूप से जांच की जाएगी। रोप-वे के निर्माण में जयपुर की विरासत, शिल्पकला और वैभव की छटा देखने को मिलेगी।

### बच्चों और बुजुर्गो को मिलेगी निशुल्क सफर की सौगात

कलक्टर ने कहा कि रोप-वे निर्माण करने वाली फर्म को 0 से 5 आयुवर्ग वाले बच्चों और 70 साल से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों के साथ साथ दिव्यांगों को रोपवे के जरिये निःशुल्क सफर करवाने के लिए निर्देशित किया गया है। रोप-वे की एक तरफ का सफर करीब साढ़े 4 मिनट में पूरा होगा।

# श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न

## अध्यक्ष- प्रकाश चांदवाड, कार्याध्यक्ष - सतेंद्र पांड्या, मंत्री-राजेंद्र काला बने

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट कार्यकारिणी के चुनाव चुनाव अधिकारी अमर चंद पाटोदी के द्वारा सम्पन्न कराये गये । प्रचार मंत्री डॉ. मनीष जैन ' मणि ' ने बताया कि नव निर्वाचित कमेठी मे अध्यक्ष- प्रकाश चांदवाड, कार्याध्यक्ष - सतेंद्र पांड्या, मंत्री - राजेंद्र काला, उपाध्यक्ष - सुनील संघहि, उपाध्यक्ष - नरेश बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष - विमल गंगवाल, स.मंत्री - महावीर बाकलीवाल, सांस्कृतिक मंत्री - रेखा पाटनी, प्रचार मंत्री - डॉ.मनीष जैन,मणि, संगठन भण्डार मंत्री - दिलीप जैन कासलीवाल, त्यागी व्रती मंत्री - महेंद्र सेठी,चंद्रकला , कार्यकारिणी सदस्य - आनंद अजमेरा, भारत भूषण जैन, भागचंद बाकलीवाल,जय कुमार जैन, नेमि चंद निगोतीया, राजेंद्र रावका, महावीर चांदवाड, यश कमल अजमेरा चुने गये ।

# दिगम्बर जैन महिला परिषद् 'सरोवर' तेलंगाना ने कृत्रिम पैर लगवाए

**हैदराबाद. शाबाश इंडिया**

अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महिला परिषद् 'सरोवर' तेलंगाना ने सामाजिक सरोकारों की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ाते हुए दिव्यांग लोगों के लिये कृत्रिम पैर वितरण शिविर का आयोजन किया और समाज में जरुरतमंदों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। स्वाती जैन के अनुसार यह शिविर भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सौजन्य से हैदराबाद के किंग कोठी अस्पताल में लगाया गया जहां देश के अलग - अलग क्षेत्रों से आये 40 दिव्यांग लोगों ने कृत्रिम पैर की सुविधा प्राप्त की और अपनी जिंदगी को पहले से बेहतर बनाया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में हैदराबाद के डेपुटी इन्कमटैक्स कमिश्नर सुधाकर नायक और भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के प्रेसीडेंट लक्ष्मी निवास शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ शिवानी के मंगलाचरण के साथ हुई उसके बाद परिषद की सदस्यों ने सभी अतिथियों का माला पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर परिषद की प्रांतीय अध्यक्ष शिल्पा नवनीत जैन ने आने वाले सभी अतिथियों, दिव्यांग लोगों के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया तो वहीं भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के ट्रस्टी मेम्बर और सचिव इन्दर चंद जैन ने महावीर विकलांग सहायता समिति के द्वारा अब तक की गयी सभी गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और कृत्रिम पैर किस तरह से बनाया जाता है और लगने के बाद किस तरह से कार्य करता है उसका सभी को डेमो दिखाया। विदित हो कि भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति विश्व का सबसे बड़ा एनजीओ है जिसने पूरे विश्व में लगभग 20 लाख दिव्यांग को जयपुर फुट लगाकर सक्षम बनाया है। सभी सदस्यों ने आये हुये विकलांग लोगों के जीवन के कटु अनुभवों को सुनकर उनकी हौसला अफजाई की। इस मौके पर हाइटेक सिटी सरोवर जिनालय के सदस्य और बोर्ड मेंबर सचिव प्रीति पंकज जैन, कोषाध्यक्ष कृष्णा जैन , तनीषा जैन, उपाध्यक्ष शीशम जैन, शिल्पा अभिषेक जैन, शुभा जैन, परिषद की निर्देशिका आशा जैन , चारु जैन मोदी, रेखा जैन उपस्थित थे।

# DJSGF डांस के सितारे सीजन 3 का रीजन स्तरीय मुकाबला आज होगा आयोजित

जयपुर। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा आयोजित Bank of Baroda द्वारा प्रायोजित अखिल भारतवर्षीय नृत्य प्रतियोगिता DJSGF डांस के सितारे सीजन 3 का रीजन स्तरीय मुकाबला दिनांक 15 दिसंबर 2022 को इंद्रलोक सभागार भट्टारकजी की नसिया जयपुर में सांय 7:00 से आयोजित किया जा रहा है । रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया कि डांस के सितारे सीजन 3 प्रतियोगिता में एकल नृत्य के 8 से 18 वर्ष , 18 वर्ष से 45 वर्ष तक, 45 वर्ष से ऊपर तथा कपल नृत्य एवं समूह नृत्य का आयोजन किया जा रहा है । रीजन महासचिव निर्मल संघी ने बताया कि प्रतियोगिता में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के के चौधरी महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख बैंक ऑफ बड़ौदा, विशिष्ट अतिथि मनोज गुप्ता सहायक महा प्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख बैंक ऑफ बड़ौदा , प्रतियोगिता के राष्ट्रीय चेयरमैन सुरेंद्र कुमार पांड्या , राष्ट्रीय मुख्य संयोजक नवीन सेन जैन , राष्ट्रीय को चेयरमैन श्रीमती शशि सेन जैन , राष्ट्रीय संयोजक यश कमल अजमेरा , महेंद्र कुमार पाटनी राष्ट्रीय वरिष्ठ परामर्श , अनिल कुमार जैन आईपीएस रीजन संस्थापक अध्यक्ष , अतुल बीलाला रीजन पूर्व अध्यक्ष की गरिमामय उपस्थिति रहेगी।


# श्री चेतन- अनामिका जैन पापड़ीवाल

## सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति

की वैवाहिक वर्षगांठ

(15 दिसंबर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाऐं

शुभेच्छु

**अध्यक्ष:** राकेश-समता गोदिका, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल

**वरिष्ठ उपाध्यक्ष:** मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - प्रेमा रांवका, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

## वेद ज्ञान

# जीवन में जरूरी है जिज्ञासा

किसी समस्या के कारणों को समझने और उसके समाधान के लिए मनुष्य की मानसिक ऊर्जा का सक्रिय होना ही जिज्ञासा है। मनुष्य की जिज्ञासा कभी खत्म नहीं होनी चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि उसकी जिज्ञासा समाप्त हो जाएगी, तो उसके जीवन में भी ठहराव आ जाएगा। जिज्ञासा मनुष्य के विकास की जड़ों को मजबूत करती है। जिज्ञासा न केवल दुखों से पीड़ित मनुष्य को झकझोर कर रख देती है, बल्कि कई बार हर तरह से सुखी-संपन्न व्यक्ति के मन में भी उथल-पुथल मचा देती है। राजकुमार सिद्धार्थ के मन में जब जीवन के सत्य को जानने की जिज्ञासा उत्पन्न हुई, तब उन्होंने राजमहल के वैभव-विलास को त्यागने में एक पल भी नहीं लगाया। जिज्ञासा एक ऐसी अग्नि है, जिसमें तपकर मनुष्य का हृदय पवित्र बन जाता है। एक बार स्वामी विवेकानंद की मां बहुत बीमार पड़ गईं, तब उनके दिमाग में यह बात आयी कि अगर उनके पास पैसे होते, तब वे अपनी मां के लिए दवा और खाना ला सकते थे। वे अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस के पास गए और उनसे कहा कि अगर मेरे पास कोई नौकरी होती, तो आज मैं अपनी मां का ध्यान रख सकता था, लेकिन इस आध्यात्मिकता से मुझे क्या फायदा हुआ? इसके जवाब में रामकृष्ण परमहंस ने उनसे कहा था कि अगर तुम्हें अपनी मां के लिए दवा और भोजन की जरूरत है, तो वह तुम काली मां से क्यों नहीं मांग लेते। यह सुनकर विवेकानंद मंदिर की ओर चले गए। जब वह वापस आए, तो रामकृष्ण ने पूछा कि क्या तुमने काली मां से भोजन, पैसा और बाकी चीजें मांगीं? विवेकानंद ने जवाब दिया कि नहीं, मैं भूल गया। इस पर रामकृष्ण बोले कि अगर आज तुमने मंदिर में कुछ मांग लिया होता, तो यह तुम्हारे और मेरे रिश्ते का आखिरी दिन होता। क्योंकि कुछ मांगने वाला अज्ञानी यह नहीं जानता कि जीवन क्या है। मांगने वाला अज्ञानी जीवन के मूल सिद्धांतों को नहीं समझता। असल में, सत्य को जानने के लिए मात्र प्रश्न या तर्क करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि इन प्रश्नों को परास्त करने की शक्ति ही जिज्ञासु की श्रद्धा है। जीवन के सत्य को जानने के लिए कोई विशेष तपस्या करने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि व्यक्ति को सभी पूर्वाग्रहों का त्याग और अपनी जिज्ञासा को उत्पन्न करके अपने आपसे से जुड़ने की जरूरत होती है। जब व्यक्ति अपने आपसे जुड़ जाता है, तो उसकी अंतर्दृष्टि पूरी तरह बदल जाती है।

## संपादकीय

# अड़सठ सदस्यीय विधानसभा में सिर्फ एक महिला विधायक

मुख्यधारा की राजनीति में महिलाओं की कम उपस्थिति को लेकर राजनीतिक दल लंबे समय से चर्चा करते रहे हैं, लेकिन इसके सुचिंतित हल को लेकर शायद ही कभी ईमानदारी दिखाई देती है। इस बार हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद यह मुद्दा सुर्खियों में है कि वहां अड़सठ सदस्यीय विधानसभा में सिर्फ एक महिला विधायक होगी। हालांकि इस बार के चुनाव में वहां अलग-अलग दलों की ओर से कुल चौबीस महिला प्रत्याशी थीं। जहां तक महिला मतदाताओं की संख्या का सवाल है, तो वहां उनका अनुपात उनचास फीसद है। चुनावों के नतीजों के बाद आए आंकड़ों के मुताबिक इस बार के विधानसभा चुनावों में महिलाओं का मतदान पुरुषों के मुकाबले ज्यादा (76.8 फीसद) रहा। हालांकि 2017 में हुए विधानसभा चुनावों में भी कुल सीटों की दृष्टि से कोई बहुत अच्छी तस्वीर नहीं थी और उसमें सिर्फ चार महिलाओं ने कामयाबी हासिल की थी। मगर महिला प्रतिनिधित्व के लिहाज से देखें तो इस बार के चुनावों में स्थिति और दयनीय हुई है। दूसरी ओर, गुजरात में भी पिछले विधानसभा चुनाव में तेरह के मुकाबले इस बार सिर्फ दो महिला प्रतिनिधियों की बढ़ोतरी हुई। जबकि वहां विधानसभा की कुल क्षमता एक सौ बयासी विधायकों की है और इस बार कुल एक सौ उनतालीस महिलाएं चुनाव के मैदान में थीं। जाहिर है, जिस दौर में हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए आवाज उठ रही है, सरकारों की ओर से कई तरह के विशेष उपाय अपनाए जा रहे हैं, वैसे समय में राजनीति में महिलाओं की इस स्तर तक कम नुमाइंदगी निश्चित रूप से सबके लिए चिंता की बात होनी चाहिए। लेकिन यह केवल हिमाचल प्रदेश या गुजरात जैसे राज्यों की बात नहीं है। पिछले हफ्ते लोकसभा में सरकार की ओर से पेश आंकड़ों के मुताबिक, आंध्र प्रदेश, असम, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, केरल, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, ओड़िशा, सिक्किम, तमिलनाडु और तेलंगाना में दस फीसद से भी कम महिला विधायक हैं। देश की संसद में थोड़ा सुधार हुआ है, लेकिन आज भी लोकसभा और राज्यसभा में महिला सांसदों की हिस्सेदारी करीब चौदह फीसद है। यानी आमतौर पर आधी आबादी के नाम से जानी वाली महिलाओं की भागीदारी मुख्यधारा राजनीति में आज भी संतोषजनक स्तर तक नहीं पहुंच सकी है। जबकि सच्चाई यह है कि राष्ट्रीय राजनीति में प्रतिनिधित्व की कसौटी पर अगर कोई सामाजिक तबका पीछे रह गया है तो बाकी सभी क्षेत्रों में उसकी उपस्थिति पर इसका सीधा असर पड़ता है। सवाल है कि जो राजनीतिक दल आए दिन महिलाओं के अधिकारों की बात करते रहते हैं, वे अपने ही ढांचे में भागीदारी के लिए कितना साहस कर पाते हैं। अमूमन सभी पार्टियां चुनाव के वक्त महिलाओं को टिकट देने के मामले में अपने वादों और दावों जितना ही उत्साह नहीं दिखा पातीं। इस तरह की कोई पहलकदमी तो दूर, संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए तैंतीस फीसद आरक्षण सुनिश्चित करने का मुद्दा पिछले करीब ढाई दशक से अधर में लटका है। **-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# पहचान का दायरा

जम्मू-कश्मीर प्रशासन वहां सभी परिवारों का एक विशिष्ट पहचान-पत्र बनाने जा रहा है। वहां के उपराज्यपाल और हरियाणा के मुख्यमंत्री ने इससे संबंधित एक दृष्टिपत्र जारी किया। बताया गया है कि इस कदम से विभन्न सामाजिक योजनाओं के लाभार्थियों का चयन करना आसान होगा। इस पहचान-पत्र में हर परिवार का एक विशिष्ट कोड होगा। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने दावा किया है कि इसमें सूचनाओं की सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम होगा। मगर भाजपा को छोड़ कर सभी राजनीतिक दलों ने इस योजना का विरोध किया है। पूछा है कि जब पहले से इसी तरह का एक पहचान-पत्र आधार कार्ड के रूप में मौजूद है, तो अलग से एक पहचान-पत्र की क्या आवश्यकता है। फिर सरकार की व्यक्तिगत सूचनाओं की सुरक्षा के मामले में विफलता को भी गहरे रेखांकित किया जा रहा है। हालांकि सुरक्षा की दृष्टि से जम्मू-कश्मीर बेहद संवेदनशील क्षेत्र है। वहां आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाना चुनौती है। अक्सर सुरक्षाबलों और दहशतगर्दों के संघर्ष में वहां के निर्दोष नागरिक भी शक के दायरे में आ जाते और कई बार मारे जाते हैं। ऐसे में अगर डिजिटल पहचान का कोई पुख्ता और व्यावहारिक तंत्र हो, तो सुरक्षा मामलों में भी आसानी हो सकती है। मगर जम्मू के लोग इस पहचान-पत्र को स्वीकार भी कर लें, तो कश्मीर के लोगों को इसके लिए राजी करना आसान नहीं होगा। दरअसल, पिछले आठ-नौ सालों में केंद्र और घाटी के लोगों के बीच अविश्वास लगातार गहरा होता गया है। खासकर जम्मू-कश्मीर की स्वायत्तता समाप्त होने के बाद वहां भरोसे की जमीन दरक चुकी है। ऐसे में विशिष्ट पहचान-पत्र के लिए डिजिटल डेटा इकट्ठा करने की योजना को वहां के लोग स्वाभाविक ही शक की नजर से देखने लगे हैं। चीन में इस तरह जैविक सूचना एकत्र करने के बाद जिस तरह आंदोलनों आदि के समय प्रशासन ने लोगों को प्रताड़ित करना शुरू किया, उसके उदाहरण अब सबको पता हैं। ऐसे में केंद्र सरकार और जम्मू-कश्मीर प्रशासन के लिए लोगों को यह समझाना बहुत मुश्किल होगा कि वास्तव में उनका इरादा ई-गवर्नेंस को प्रभावशाली और सामाजिक योजनाओं को वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचाना है। केंद्र ने आपराधिक मामलों में न्याय की गति तेज और सुगम बनाने के मकसद से भी अपराधियों का जैविक विवरण डिजिटल रूप में इकट्ठा करने का प्रस्ताव रखा था, मगर उसका विपक्षी दलों ने पुरजोर विरोध किया था। दरअसल, लोगों के जैविक आंकड़े इकट्ठा करना उनकी निजता का हनन माना जाता रहा है। इसीलिए शुरू में आधार कार्ड का भी विरोध हुआ था। अब तो अनेक उदाहरण हैं, जब लोगों के निजी आंकड़े बड़े पैमाने पर बाजार में बेच दिए गए। इसलिए भी कश्मीर के लोग शायद ही इसके लिए तैयार हों। फिर सबसे बड़ी अड़चन है कि वहां के लोग अब भी यह स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं कि वे भारतीय शासन के अधीन हैं। वे खुद को स्वतंत्र मानते हैं। दरअसल, सरकार और वहां के लोगों के बीच लंबे समय से संवाद रुका हुआ है। आतंकवाद खत्म करने के नाम पर वहां हथियार का उपयोग अधिक होता है, जिसका शिकार वहां के बहुत सारे बेगुनाह लोग हो जाते हैं। तमाम विशेषज्ञ राय देते रहे हैं कि अगर कश्मीर में अमन कायम करना है, तो पहले वहां के लोगों से बातचीत का सिलसिला शुरू करना चाहिए।

# दिंगबर जैन महासमिति दुर्गापुरा इकाई का गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** दुर्गापुरा जैन मंदिर परिसर में दिगंबर जैन महासमिति, इकाई दुर्गापुरा का आम सहमति से गठन हुआ। जिसमे निहाल चंद जैन अध्यक्ष, सुनील काला चंदलाई मंत्री, अमर चंद गंगवाल उपाध्यक्ष , अशोक सेठी कोषाध्यक्ष, डॉ. समा जैन महिला प्रकोष्ठ मंत्री एवं रमेश चंद छाबड़ा युवा प्रकोष्ठ मंत्री का चयन कर भगवान चंद्रप्रभ के समक्ष डॉ. मोहन लाल मणी के द्वारा शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर यश कमल अजमेरा, भागचंद जैन मित्रपुरा, महावीर चांदवाड़, आनंद अजमेरा, नेमि निगोतिया, राजेंद्र रांवका, भागचंद पाटनी आदि भी उपस्थित थे ।

### राजगढ़ धाम पर हुई प्रशासनिक बैठक सम्पन्न

# तहसीलदार नसीराबाद मेला मजिस्ट्रेट नियुक्त

**रोहित जैन. शाबाश इंडिया**

**नसीराबाद।** राजगढ़ स्थित श्री मसाणिया भैरव धाम पर आगामी 25 दिसम्बर को सर्वधर्म मनोकामनापूर्ण स्तम्भ की 20 वी वर्षगाँठ राजगढ़ धाम पर बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाई जायेगी। कानून व शान्ति व्यवस्थाओ को लेकर चम्पालाल महाराज मुख्य उपासक भैरव धाम राजगढ़ के सानिध्य व अंशुल आमेरिया उपखण्ड़ अधिकारी नसीराबाद की अध्यक्षता में प्रशासनिक बैठक आयोजित हुई । जिसमें संबंधित सभी विभागो के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में धाम के व्यवस्थापक ओम प्रकाश सेन के द्वारा संबंधित कार्यो को लेकर मांग-पत्र उपखण्ड़ अधिकारी नसीराबाद को दिया गया। उपखण्ड़ अधिकारी नसीराबाद ने बैठक में संबंधित विभागो को मेले से जुड़े सभी आवश्यक कार्यो को वर्षगाँठ से पूर्ण पालना करने हेतू निर्देश दिये गये । बैठक में विशेष रूप से पीडब्ल्यूडी , पुलिस व चिकित्सा व्यवस्था को लेकर काफी चर्चा की गई। पुलिस व यातायात व्यवस्था के माकूल इन्तजाम के साथ वाहनो का एक तरफा यातायात व्यवस्था पर जोर दिया गया । जिससे भीड़ की अधिकता होने से जाम की स्थिति उत्पन्न ना हो । उपखण्ड़ अधिकारी ने तहसीलदार नसीराबाद को मेला मजिस्ट्रेट नियुक्त किया।

### आचार्यश्री सुनील सागर जी महाराज ने कहा...

# धर्म ही सबसे अच्छा रास्ता

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

वैशाली नगर के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य श्री सुनील सागरजी महाराज ने कहा कहा कि तीर्थ मतलब इस तट से उस तट तक पहुंचाने वाला और तीर्थंकर का मतलब संसार तट से मोक्ष तब तट रास्ता दिखाने वाले होते हैं। अपनी इंद्रियों को जीत लिया जिसने वे जिन कहलाते हैं और जिन को मानने वाले जैन कहते हैं। काम, क्रोध, भोग से व्यक्ति ऊंचा उठना चाहता है उसके लिए धर्म ही सबसे अच्छा रास्ता है। आचार्यश्री ने आगे कहा कि तीर्थ तो सभी धर्म में होते हैं,पर तीर्थंकर सिर्फ जैन धर्म में होते हैं। संत तो सभी धर्म में होते हैं, पर दिगंबर संत सिर्फ जैन धर्म में होते हैं केवल क्रिया ही नहीं भाव ऊंचे होना चाहिए ।भाव शुद्धि परिणामों की निर्मलता सदा बनी रहे। इसलिए पुरुषार्थ करना चाहिए समाज में रिश्तों में एक दूसरे का उपकार करें सहकारिता की भावना हो ऐसा परमो धर्म भगवान महावीर स्वामी कहते हैं। ''परस्परोग्रहो जीवानाम'' संसार में अनंत जीव राशि है। अनंत जीव के अनंत परिणाम कोई साता भोग रहा तो कोई आसाता। सबके अपने अपने कर्मों का उदय है। साधु संत इनसे बचने का पुरुषार्थ करते हैं। साधना करते हैं ,साधु संगति उलझनों को सुलझा देती है। विनम्र बने जी के परिवार को जोड़ कर रखना रखने का आसान तरीका विनम्रता सहकारिता यह गुण जीवन में आत्मसात करें। अंतर में गोता लगाओगे तो आंतरिक शांति रूपी धन की प्राप्ति होगी। संयोजक विकास बड़जात्या व आलोक काला ने बताया कि इस अवसर पर संतोष सांघी व प्रमोद बोहरा परिवार ने आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस मौके पर कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य अशोक शर्मा ने आचार्यश्री के दर्शन किए।

# श्रीमद भागवत कथा महोत्सव की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** नागरमल पिस्तादेवी मणकसिया चैरिटेबल ट्रस्ट व सुरेश ग्रुप के बैनर तले आगामी 20 से 26 दिगम्बर ते आदर्शनगर के सूरज मैदान पर भव्य भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर विश्व विख्यात आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी अपनी ओजस्वी वाणी से श्रद्धालुओं का भागवत कथा का रसपान कराएंगी। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर आज बैठक हुई। बैठक में आयोजन का सफल कैसे बना जाएं तथा इस आयोजन से जयपुरवासियों को अधिक से अधिक संख्या में कैसे जोड़ा जाए जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष नागरमल अग्रवाल व सचिव अरविन्द अग्रवाल ने बताया कि इस भागवत कथा का शुभारंभ 20 दिसम्बर को सुबह 8.30 बजे सेठी कॉलानी के श्रीराम मंदिर से 251 महिलाओं की निकलने वाली कलशयात्रा से होगा,जो विभिन्न मार्गों से होती हुई सूरज मैदान पहुंगी। ट्रस्ट के सदस्य सुनील अग्रवाल,सुरेश अग्रवाल,योगेश बिंदल व राजेश अग्रवाल ने बताया कि कथा के प्रथम दिन श्री गणेश पूजन,भागवत महात्म्य,भगवान के अवतारों व राजा परीक्षित की कथा होगी। 21 दिसम्बर को कपिल भगवान की कथा,जड़ भरत की कथा,षिव पार्वती प्रसंग,22 को अजामिल की कथा,विश्व रूप चरित्र,गयासुर की कथा व भक्त प्रहलाद की कथा सुनाएंगे। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत 23 दिसम्बर को समुद्र मंथन,वामन अवतार,श्रीराम जन्मोत्सव के बाद श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। कथा प्रसंग के तहत 24 दिसम्बर को भगवान श्रीकृष्ण की बाललीला,गोवर्धन पूजा व 56 भोग की झांकी सजाई जाएगी।

# सीबीएसई वेस्ट जोन जूडो चैंपियनशिप में महावीर पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने जीते स्वर्ण व कांस्य पदक

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

8 से 11 दिसंबर तक गुजरात पब्लिक स्कूल, वडोदरा (गुजरात) में आयोजित सीबीएसई वेस्ट जोन जूडो चैंपियनशिप में महावीर पब्लिक स्कूल,सी- स्कीम, जयपुर की नवीं कक्षा की छात्रा हिमांशी केसवानी ने अंडर-17 उम्र के 40 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता और साथ ही अर्क खंडेलवाल ने अंडर-17 मे 66 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। विद्यालय के अध्यक्ष उमराव मल संघी, मानद् मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयोजक सुदीप ठोलिया तथा विद्यालय की प्राचार्या महोदया श्रीमती सीमा जैन ने हिमांशी एवं अर्क की इस उपलब्धि पर उन्हें बहुत-बहुत बधाई दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

# पी के जैन लगातार चौथी बार जिला सचिव बने

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

बीएसएनएल एम्प्लाईज यूनियन का जिला अधिवेशन फेडरेशन हाल PGMTD में सम्पन्न हुआ। इसमें कर्मचारियों की समस्याओं एवं बीएसएनएल के पुनरुत्थान पर चर्चा हुई। इसके बाद आगामी दो वर्ष के लिये नई कार्यकारिणी का चुनाव हुआ जिसमें पी के जैन को लगातार चौथी बार सर्वसम्मति से जिला सचिव चुना गया। अशोक पारीक परिमंडल सचिव ने बताया कि तेजपाल कसाना को जिला अध्यक्ष,एन एम मीना, पंकज जैन, बी एल प्रजापति एवं ओंकार यादव को सहायक जिला सचिव तथा राम लाल शर्मा को जिला वित्त सचिव चुना गया।

# गुरु पद पराधीन होता है गुरु पद भक्त बनाता है: मुनि श्री सुधासागर जी महाराज

**बासी, ललितपुर. शाबाश इंडिया**

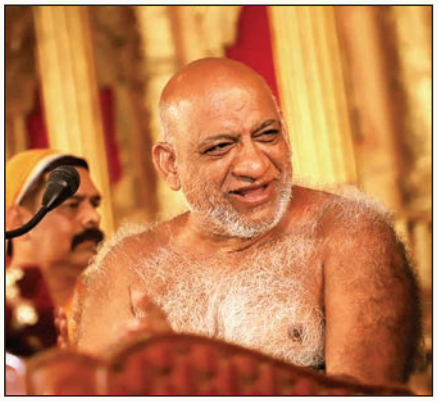

निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव सुधासागर महाराज ने प्रवचन मे कहा गुरु पद पराधीन होता है, गुरु पद भक्त बनाता है। कोई साधु के पास हम गये साधु से पूछा आप गुरु है, साधु ने मना कर दिया कि मे गुरू नही साधु हूँ। तभी उन साधु को अपना गुरु मान लेना वह साधु गुरु बनने लायक हैं। महाराज श्री ने कहा कि भगवान जब दीक्षा लेते हैं तो वह गुरु नहीं बनते हैं, वह तपस्वी बनते हैं। गुरु भक्त बनाता है। जब वह किसी परोपकार करते हैं तब वह गुरु बनते हैं। गुरु पद पराधीन होता है। साधु को अरिहंत बनना है, भगवान नहीं। भगवान का पद भक्त बनाएगा। साधु को आहार कराना है। इसके लिए चौका लगाना है। ये साधु को भिखारी बनाना है। साधु का आहार हमारे घर में कराकर अपने को सोभाग्यशाली बनाना है।अपने घर पर साधु के चरण पढ़ने से अपने को व घर को धन्य करना हैं। प्रकृति के विषय में बोलते हुए मुनि श्री ने कहा कि प्रकृति ने अपने स्वरूप में रहने का निर्णय किया, भगवान भी चाहते कि मेरे अधीन नही रहे, वे चाहते है कि तुम भी एक दिन मेरे समान भगवान बन जाओ। ये बात जैन दर्शन के अलावा कोई भी दर्शन ने अपने समान बनाने को नहीं कहा है। **संकलन: अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी**

# विवेकपूर्वक किया गया धर्म ही उत्कृष्ट धर्म है...

**कोटा. कासं**

पूज्य मुनि शुद्ध सागर जी महाराज ने तलवण्डी जैन मंदिर में धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अविवेक पूर्वक किया गया कोई भी कार्य चिंता का कारण बनता है। संसार का हो या धर्म का हो कार्य विवेक से ही किया जाना चहिए। हम रात्रि भोजन का त्याग करते है इसके पीछे यह विवेक यह है कि दिन में जहाँ जहाँ सूर्य की रोशनी पहुचती है वहा ताप से जीवो की उत्पति बाधित रहती है। पूज्य मुनि श्री ने अपने उद्बोधन में कहा की वर्तमान परिपेक्ष्य में भले ही हम अपनी सुविधा से परिवर्तन करना चाहे किंतु महावीर भगवान के सिद्धांत परिवर्तित नही हो सकते। हमारे आगम में कहे लिखे नियमो में शिथिलता नही हो सकती है। जैन मुनि से लिये गए रात्रि भोजन,पानी त्याग के नियम को सियार ने अपने प्राणों को त्याग कर भी पूरा किया और सद्गति को प्राप्त हुआ किंतु हम समझदार होते हुए बीच का मार्ग निकाल रहे है यह बात आगम के विरुद्ध है। दिन में बना हुआ भोजन रात को करे या रात में बना भोजन दिन में करो दोनों में ही दोष बराबर है। किंतु आज के युग मे हम श्रावक बीच का मार्ग निकाल कर स्वयं को धर्मात्मा घोषित कर रहे है।संसार को दिखाने के लिए हम क्रियाएं कर रहे है स्वयं को भ्रम में रख रहे है और अपने पतन की ओर बढ़ रहे है। इसलिए हम सभी को यह चाहिए कि धर्म को विवेक के साथ ग्रहण करे और हमें जो मार्ग हमारी जिनवाणी में बताया गया है उसका पूरी आस्था के साथ अनुसरण करें।

# तीर्थंकर बालक के जन्म पर बजीं बधाइयां

**ललितपुर. शाबाश इंडिया**

आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज, मुनि श्री प्रणातसागर जी महाराज, मुनि श्री सौम्य सागर जी महाराज के सान्निध्य में मड़ावरा विकासखंड में स्थित अतिशय क्षेत्र कारीटोरन में मुनिसंघ के सान्निध्य में बुधवार को पंचकल्याणक महोत्सव में भगवान का जन्म कल्याणक श्रद्धा-आस्था पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम पात्र शुद्धि, अभिषेक, शांतिधारा एवं नित्यमह पूजन की गई। जैसे ही आज प्रातः प्रतिष्ठाचार्य ने यह घोषणा की कि तीर्थंकर बालक का जन्म हो गया है, श्रद्धालुओं में अपार खुशी छा गयी और श्रद्धालु भावी तीर्थंकर भगवान के जन्म की खुशियां बांटने लगे। जन्म की बधाईयां हुई इस पर श्रद्धालु थिरकते दिखाई दिए। जन्म होते ही मिठाईयां बाटी गयीं, गगन भेदी नगाड़ो को बजाते हुए मंगल गान गाये गए। मुनिश्री का पाद प्रक्षालन व शास्त्र भेंट श्रेष्ठियों द्वारा किया गया। दोपहर में तीर्थंकर बालक का जन्माभिषेक जुलुस निकाला गया।

# सम्मेद शिखर जी पर सकल जैन समाज की सभा रविवार, 18 दिसम्बर को

## सम्मेदशिखर जी पर्यटक स्थल घोषित किए जाने के विरोध में जैन समाज एकजुट हो: आचार्य सुनील सागर जी महाराज

### समाज का विशाल धरना प्रदर्शन हो, मौन जुलूस निकालें एवं राष्ट्रपति, राज्यपाल, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं सम्बन्धित अधिकारियों को ज्ञापन दें

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

परम पूज्य आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महाराज ने आज वैशाली नगर स्थित दिगम्बर जैन मन्दिर में भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिखरचन्द पहाड़िया, अंचल अध्यक्ष राजकुमार कोठ्यारी, राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, महामंत्री मनीष बैद सहित पूरी समाज को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब तीर्थों पर हमला हो तो सभी को एकजुट होकर उनके खिलाफ आवाज उठाने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि यह बहुत की दुर्भाग्य की बात है कि जैन समाज का सबसे पवित्र तीर्थ स्थल शाश्वत तीर्थराज श्री सम्मेदशिखरजी की पवित्रता को दूषित किया जा रहा है। झारखण्ड सरकार की अनुशंसा पर केन्द्र सरकार उसे पर्यटन स्थल (टूरिस्ट प्लेस) घोषित कर सम्पूर्ण जैन समाज की भावना को आहत कर रही है। इसके खिलाफ सम्पूर्ण दिगम्बर और श्वेताम्बर जैन समाज को एकजुट होना होगा। धर्म की रक्षा के लिए जैन समाज को संगठित होना होगा। आचार्य श्री ने कहा कि जैन समाज अहिंसा को मानने वाला है, यह शांतिप्रिय विचारधारा के लोग है पर अब ताली बजाने और नारा लगाने का समय नहीं है बल्कि 'ताल' ठोकने का समय है। उन्होंने कहाँ कि देश की आजादी में बड़ी संख्या में जैन समाज के लोगों ने भी अपनी भूमिका निभाई है। हम अहिंसक है लेकिन कायर नहीं। इससे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शिखरचन्द पहाड़िया, राजकुमार कोठ्यारी, सुभाष चन्द जैन, महेश काला, राकेश छाबड़ा, मनीष बैद, कमल बाबू जैन ने पूज्य गुरुदेव सहित संघ में उपस्थित मुनिराजों एवं आर्यिका माताओं के समक्ष श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद माँगा। अध्यक्ष शिखरचन्द पहाड़िया एवं राजकुमार कोठ्यारी ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहाँ कि सम्पूर्ण जैन समाज का कहना है कि अपने पवित्र स्थल जो की जैन धर्म के कुल 24 तीर्थंकरों में से 20 तीर्थंकर भगवान की मोक्षस्थली है। उसको किसी भी कीमत पर पर्यटन क्षेत्र नहीं बनने देगी क्योंकि पर्यटन स्थल बन जाने पर इस तीर्थस्थल पर खुलेआम माँस-मदिरा की दुकान खुलेगी, पर्यटक खुले-आम स्वछंद विचरण करेंगे, जिससे क्षेत्र की पवित्रता अस्मिता एवं सुरक्षा खतरे में पड़ जायेगी। महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि इसी कड़ी में रविवार, दिनांक 18 दिसम्बर, 2022 को सकल जैन समाज 1.00 बजे भट्टारक जी की नसियाँ में अति आवश्यक बैठक आयोजित की गई है। जिसमें दिगम्बर एवं श्वेताम्बर जैन समाज की संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

# बच्चों को सब कुछ देना हो जाएगा बेकार यदि नहीं दिए संस्कारः रामप्रसाद महाराज

### हमारे मन, वचन व कर्म से किसी को नहीं होना चाहिए कष्ट। महेश वाटिका में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव

**सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया**

**भीलवाड़ा।** संतानों को सब कुछ देना पर सबसे पहले संस्कार अवश्य देना। संस्कार होने पर ही सब कुछ होने की सार्थकता होगी और यदि संस्कार नहीं दे पाए तो सब कुछ बेकार हो जाएगा। हम बच्चों को शॉपिंग माल व पिकनिक पर तो ले जाते है लेकिन मंदिर व कथास्थल पर नहीं लाते है तो संस्कारों की प्राप्ति कैसे होगी। भीलवाड़ा में युवाओं में कथा के प्रति रूझान देख अच्छा लगा इसीलिए वस्त्रनगरी अब संस्कारनगरी व धर्मनगरी बन रही है। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के परम पूज्य संत रामप्रसादजी महाराज (बड़ौदा) ने बुधवार दोपहर भीलवाड़ा के महेश वाटिका में सोनी परिवार के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा महोत्सव के तीसरे दिन श्रद्धालुओं को कथा श्रवण कराते हुए व्यक्त किए। संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में ध्रुव चरित्र के साथ प्रहलाद चरित्र व नरसिंह चरित्र प्रसंग का वाचन भी किया गया। कथा के दौरान भगवान के जयकारे गूंजते रहे। संत रामप्रसादजी महाराज ने कहा कि हमारे मन, वचन व कर्म से किसी को कष्ट नहीं होना चाहिए। हमारी भक्ति ध्रुव जैसी होनी चाहिए एक बार परमपिता परमात्मा की गोदी में बैठ गए तो फिर किसी अन्य की गोदी में बैठने की जरूरत नहीं रहेगी। व्यक्ति को हमेशा सत्संग करना चाहिए। बच्चों के हाथों से दान कराना चाहिए इससे वह सेवा व दान का महत्व समझेंगे। संतश्री ने कहा कि भागवत की कथाएं केवल सुनने के लिए नहीं बल्कि जीवन का सार अपने में समाहित किए हुए है जिन्हें समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम हिंसा में नहीं अहिंसा में विश्वास रखते है लेकिन ज्यादा विनम्रता कायरता नहीं बन जानी चाहिए। जो जिस भाषा में समझे उसे उसी भाषा में समझाना चाहिए। रिश्ते जोड़ते समय कुण्डली के साथ स्वभाव का मिलान भी अवश्य कर ले तो रिश्ता बेहतर होगा। कथा में संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरीजी महाराज, हनुमानटेकरी के महंत बनवारीशरण काठियाबाबा, निम्बार्क आश्रम के महंत मोहनशरण शास्त्री, हाथीभाटा आश्रम के महंत संतदासजी महाराज, हनुमतधाम के महंत रामायणी महाराज, महंत रामदासजी महाराज समोड़ी आदि संतों का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। संतों ने व्यास पीठ को प्रणाम करते हुए उस पर विराजित संत रामप्रसादजी महाराज का अभिनंदन किया। संतों का स्वागत-सत्कार आयोजक सोनी माहेश्वरी परिवार की ओर से किया गया। इस मौके पर उदयपुर से आए विद्वान गोपाल शास्त्री का भी सम्मान किया गया।

# दिगंबर जैन महासमिति दक्षिण संभाग टोंक के अध्यक्ष पद का चुनाव एवं शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ

मोहन सिंघल. शाबाश इंडिया

**टोंक।** महासमिति दक्षिण संभाग के मीडिया प्रवक्ता मोहन सिंघल ने बताया कि डॉ. दीपक राज जैन पूर्व अध्यक्ष महासमिति दक्षिण संभाग टोंक ने पूर्व में गठित कार्यकारणी को भंग कर ने कि घोषणा की एवं वर्ष 2023 से 2027 के लिए निर्वाचन अधिकारी पदम चंद जैन चौधरी एवं चुनाव पर्यवेक्षक पदम चंद जैन अलीयारी वालो से नवीन अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचन करवाने के लिए आग्रह किया। उपस्थित सदस्यों में से अध्यक्ष पद के लिए नाम प्रस्तुत करने के लिए चुनाव अधिकारी द्वारा कहा गया जिसमें अशोक जैन ने नवीन कुमार जैन इंदिरा कॉलोनी टोंक का अध्यक्ष पद हेतु नाम प्रस्तावित किया जिसका समर्थन ताराचंद जैन एडवोकेट एवं रमेश काला द्वारा समर्थन किया। चुनाव अधिकारी द्वारा अन्य नाम उपस्थित सदस्यों में से मांगे परंतु अन्य नाम नहीं आने के कारण नवीन कुमार जैन को सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित किया गया। इस चुनाव कार्यक्रम में प्रोफेसर प्रीति जैन, उषा जैन मैना देवी जैन लुहाड़िया, एस एम सिंघल पूर्व प्राचार्य आदर्श विद्या मंदिर टोंक, तिलोक चंद जैन, बाबूलाल जैन रानोली वाले एवं सभी इकाइयों के अध्यक्ष एवं मंत्री उपस्थित थे। पदम चंद जैन चुनाव अधिकारी एवं पदम चंद जैन अलीयारी वालो ने नव निर्वाचित अध्यक्ष को अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई एवं नव नियुक्त अध्यक्ष द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों का आभार प्रकट किया।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

# दान करने से रूपया जाता है पुण्य नहीं : अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

घड़ी बन्द करने से, घड़ी बन्द होती है समय नहीं, झूठ छुपाने से झूठ छुपता है - सच नहीं, क्रोध की गाँठ बुरी है, क्रोध नहीं... इसलिए क्रोध नरक है और क्षमा स्वर्ग-मोक्ष...! कोई भी नरक जाना नहीं चाहता, सबकी एक ही कोशिश होती है कि वह मरने के बाद स्वर्ग जाये। भारत में मरने वाले प्रत्येक व्यक्ति को स्वर्ग तो गोड गिफ्ट में मिलता है। जैसे - भारत में मरने वाले प्रत्येक भारतीय व्यक्ति के नाम के ''आगे स्वर्गीय ही लिखा जाता है। आज तक आपने कभी नहीं पढ़ा होगा कि नरकीय फलाने चन्द जी।'' ''नरक ना जाने के सात उपाय हैं'': - (1) जुआ नहीं खेलना (2) चोरी नहीं करना (3) मांस का सेवन नहीं करना (4) मदिरा का पान नहीं करना (5) वेश्यालय जाने से बचना (6) अपनी पत्नी के अलावा अन्य माता बहिनों से अनैतिक सम्बन्ध नहीं रखना (7) किसी भी जीव का वध नहीं करना।

ये सात मार्ग ही स्वर्ग और मोक्ष के द्वार खोलते हैं। ''हम सोचते हैं कि स्वर्ग आसमान में और नरक नीचे पाताल में है। लेकिन स्वर्ग नरक तो इसी लोक में ही विद्यमान है।'' हमारी अच्छी बुरी आदतें, या हरकतें स्वर्ग नरक का बोध करा देती है। यह इन्सान के हाथ में है कि वह कैसी ज़िन्दगी जीना चाहता है? यह भी सत्य है कि हर एक इन्सान जानने की कोशिश करता है कि स्वर्ग-नरक कहाँ है? और वहाँ क्या क्या होता है? अरे बाबू ! जहाँ जाना ही नहीं है, फिर वहाँ के बाबत कुछ भी सोचना यानि वक्त की बर्बादी ही समझना...। **नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद ।**

# अचानक बीपी बढ़ जाने पर क्या करें?

शाबाश इंडिया

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

अगर किसी व्यक्ति का ब्लड प्रेशर अचानक से बढ़ जाता है और वह व्यक्ति होश में है। तो उसको गहरा श्वसन अर्थात धीरे-धीरे पूरा सांस लेना और धीरे-धीरे पूरा स्वास छोड़ना यह आपको कमर सीधी कर, बैठकर करना है। उसके तुरंत बाद चंद्रभेदी प्राणायाम 10 से 15 मिनट तक करना चाहिए ऐसा करने से आपको तुरंत लाभ होगा। अगर आप पहले से प्राणायाम करते हैं और सांस लेने और छोड़ने का अभ्यास है, तो आपको अधिक लाभ होगा। अगर आप पहली बार चंद्रभेदी या कोई भी प्राणायाम करेंगे तो गलती होने की संभावना है। इस बात का विशेष ध्यान रहे।

## गहरा श्वसन

कमर सीधी कर किसी भी ध्यान के आसन में बैठ जाएं। या शवासन में लेट जाएं हथेलियां ऊपर रखें। धीरे-धीरे पूरा लंबा गहरा श्वास ले और धीरे-धीरे संपूर्ण स्वास छोड़ें। ऐसा आपको 25 से 30 बार करना है। इसके बाद उठकर बैठ जाएं और किसी एक ध्यान के आसन में कमर सीधी कर बैठे।

## चंद्रभेदी प्राणायाम

किसी भी ध्यान के आसन में कमर सीधी कर बैठने के बाद प्राणायाम मुद्रा बनाएं।

## प्राणायाम मुद्रा

अपने अंगूठे से दाएं नासिका रंद्र को बंद करें। बाएं नासिका रंद्र से धीरे-धीरे एक ही लय में संपूर्ण स्वास ले। उसके बाद लास्ट वाली दोनों उंगलियों से बाया नासिका रंद्र बंद करें और दाएं नासिका रंद्र से धीरे-धीरे एक ही लय में संपूर्ण स्वास निकाल दें। यह चंद्रभेदी प्राणायाम की एक आवृत्ति पूरी हुई। ध्यान रहे कि संपूर्ण श्वास लें और संपूर्ण स्वास छोड़ें, स्वास में किसी भी प्रकार का व्यवधान ना आने पाए, एक ही लय में सांस लें और एक ही लय में सांस छोड़ें। यह चंद्रभेदी प्राणायाम की एक आवर्ती पूरी हुई। ऐसी आपको 20 से 25 आवर्ती करनी है। ध्यान रहे आपका पेट कम से कम तीन से चार घंटा खाली हो।

## सावधानियां

ब्लड प्रेशर कम होने की स्थिति में चंद्र भेदी प्राणायाम का अभ्यास कभी भी ना करें। किसी भी प्रकार की समस्या या संकोच होने पर योग्य योग चिकित्सक की सहायता अवश्य लें। अगर हम इसका उल्टा प्राणायाम करते हैं। दाएं नासिका रंद्र से श्वास लेकर बाय नासिक रेंद्र से स्वास छोड़ना। तो वह सूर्यभेदी प्राणायाम होगा जो ब्लड प्रेशर कम होने की स्थिति में लाभदायक है।